जहाँ जहाँ बैठे जिस मोड़ पे बैठे भजन लिरिक्स

जहाँ जहाँ बैठे जिस मोड़ पे बैठे,
खाटू में ऐसा लगता,
तेरी गोद में बैठे।bd।

jaha jaha baithe jis mod pe baithe

देखे – इतने सेठ जहा में मौज उड़ाते है।

जिसे मैं कह सकूँ अपना,
वो तो खाटू में रहता है,
याद जो आ जाये उसकी,
आँख से आंसू बहता है,
जन्मो का नाता,
हम जोड़ के बैठे,
खाटू में ऐसा लगता,
तेरी गोद में बैठे।bd।

तुम्हारे मंदिर को बाबा,
कभी मंदिर नहीं समझा,
अपने बाबा का घर समझा,
कभी भी दर नहीं समझा,
अपना ही घर है,
ये सोच के बैठे,
खाटू में ऐसा लगता,
तेरी गोद में बैठे।bd।

तेरी खाटू की गलियों में,
ही ऐसा प्यार बरसता है,
हो रहा जो इसमें पागल,
उसका जीवन संवरता है,
लाखों ही पागल,
देखो मौज में बैठे,
खाटू में ऐसा लगता,
तेरी गोद में बैठे।bd।

जब भी हम वापस आते है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ये गलियों छोड़ के तेरी,
ऐसा लगता है 'बनवारी',
उतर आये गोद से तेरी,
घर क्यों नहीं खाटू में,
मन मसोस के बैठे,
खाटू में ऐसा लगता,
तेरी गोद में बैठे।bd।

जहाँ जहाँ बैठे जिस मोड़ पे बैठे,
खाटू में ऐसा लगता,
तेरी गोद में बैठे।bd।

Singer – Payal Agarwal
Lyricist – Jai Shankar Ji Chaudhary

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com